Raj Express (Indore), 10th August 2026, Page - 04

एनराइज 2026

250 से ज्यादा शोधकर्ता, शिक्षाविद् नीति-निर्माता जुटे, 60 से अधिक देशों के विशेषज्ञों ने किया मंथन

सतत् भविष्य के लिए नवाचार: 150 शोधकर्ताओं ने रखे आइडिया

● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एनराइज 2026 का समापन हुआ। पर्यावरण अनुसंधान एवं सतत् इंजीनियरिंग के लिए नवाचार विषय पर हुए सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, यूके, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, स्लोवेनिया के 250 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद् और नीति-निर्माता जुटे। युवा वैज्ञानिकों ने 150 से अधिक रिसर्च पेपर प्रस्तुत कर पर्यावरणीय चुनौतियों के सतत् समाधान पेश किए। मतलब 150 से अधिक युवा शोधकर्ताओं ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए।

सम्मेलन का संयोजन प्रो. किरण बाला, मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी और डॉ. मयूर शिरीष जैन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी इंदौर की ओर से किया गया। उनके नेतृत्व में एनराइज के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता, तकनीकी नवाचार और सतत इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सार्थक संवाद व सहयोग के लिए एक अंतरविषयी मंच प्रदान किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन पद्म श्री व पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, संस्थापक, हिमालयन एनवायरनमेंटल स्टडीज एंड कंजर्वेशन ऑर्गनाइजेशन की ओर से प्रो. सुहास एस. जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। डॉ. अनिल जोशी ने गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक नवाचार को पारिस्थितिक ज्ञान और सामुदायिक सहभागिता के साथ एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया।



150 से अधिक मौखिक प्रस्तुतियां, 50 पोस्टर प्रस्तुतियां

सम्मेलन में 250 से अधिक प्रतिनिधियों और 10 से अधिक आमंत्रित वक्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने समकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों, तकनीकी नवाचारों और सतत इंजीनियरिंग की दिशा में संभावित उपायों पर अपने विशेषज्ञ विचार व दृष्टिकोण साझा किए। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण युवा शोधकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही, जिसमें 150 से अधिक मौखिक प्रस्तुतियां और 50 पोस्टर प्रस्तुतियां प्रदर्शित की गईं।

ऑनलाइन, ऑफलाइन के माध्यमों से सहभागिता

एनराइज में विश्वभर से मुख्य वक्ताओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सहभागिता की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. अजय एस. कलामधाद, आईआईटी गुवाहाटी, प्रो. अनुश्री मलिक, आईआईटी दिल्ली, प्रो. ब्रजेश दुबे, आईआईटी खड़गपुर, डॉ. दया पांडे, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूके, प्रो. सोनिल नंदा, डलहौजी यूनिवर्सिटी, कनाडा, प्रो. रेजिना नोगुएरा, लाइबनिज यूनिवर्सिटी हनोवर, जर्मनी, प्रो. एरिक डी. वान हुलेबुश, यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस साइट, फ्रांस और डॉ. गैब्रिएला कलचिकोवा, यूनिवर्सिटी ऑफ ल्युब्लियाना, स्लोवेनिया सहित कई अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल थे।

निरंतर योगदान के लिए किया प्रोत्साहित: शोधकर्ताओं के उत्कृष्ट योगदान को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर व सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. जीतेंद्र सी. लिलानी, कुलसचिव, गुजरात जैवप्रौद्योगिकी विवि, गांधीनगर की उपस्थिति रही।